

गांडू बेटे की सेक्सी माँ को चोदा-2

“पड़ोसी परिवार के गांडू लड़के की गांड मारने के बाद मैं उससे उसकी अम्मी के बारे में पूछने लगा. मेरी एडल्ट स्टोरी पढ़ कर जानें कि कैसे उसक लड़के ने अपनी अम्मी को मुझसे चुदवाने में मेरी मदद की.

”

...

Story By: thakur chora (thakurchora)

Posted: बुधवार, फ़रवरी 14th, 2018

Categories: [पड़ोसी](#)

Online version: [गांडू बेटे की सेक्सी माँ को चोदा-2](#)

गांडू बेटे की सेक्सी माँ को चोदा-2

मेरी एडल्ट स्टोरी के पहले भाग

गांडू बेटे की सेक्सी माँ को चोदा-1

मैं आपने पढ़ा कि मेरे पड़ोसी परिवार का जवान लड़का गांडू निकला और मैंने उसकी गांड मारी. लेकिन मेरा असली इरादा तो उसकी माँ तक पहुँचने का था जिसे मैंने अभी तक देखा भी नहीं था.

अब आगे :

मैं हर रोज़ तौफीक को इंग्लिश की ट्यूशन देने उसके घर जाने लगा, मगर फिर भी उसकी अम्मी के दीदार नहीं हुये। मैं अक्सर उसकी अम्मी के बारे में पूछता क्योंकि ट्यूशन के वक़्त चाय नाश्ता वही बना कर भेजती थी और बहुत लज़ीज़ नाश्ता होता था। मगर वो कभी मेरे सामने नहीं आई, हर वक़्त पर्दे में रहती थी। और यही बात मुझे उसकी तरफ खींचती थी, मुझे लगता था कि अगर मैंने तौफीक के अम्मी की शक्ल न देखी तो ना जाने क्या कयामत आ जाएगी।

तौफीक की ट्यूशन के दौरान मैं अक्सर उस से उसकी अम्मी के हुस्न के बारे में पूछता, वो भी बताता के उसकी अम्मी बहुत हसीन हैं।

एक दिन मैंने उससे कहा- तौफीक मुझे तेरी अम्मी देखनी है कि वो कितनी हसीन है। वो बोला- अंकल अम्मी यू किसी के भी सामने नहीं आती है, मगर मैं ऐसा इंतजाम कर सकता हूँ कि आप उनको देख सको।

एक दिन दोपहर को तौफीक का फोन आया और उसने मुझे अपने घर बुलाया। मैं उसके घर गया, उसका रूम भी ऊपर चौबारे में था। अब तौफीक तो मेरी बीवी, मेरी रखैल, या यूँ कहो के मेरी रंडी ही बन गया था। जब भी हम मिलते थे, तो सबसे पहले वो मेरे होंठ



चूमता था, पहले पहल मुझे कुछ दिक्कत हुई, एक दूसरे मर्द के होंठ चूमने में मगर अब तो आदत सी हो गई, थी और मैं भी बड़े आराम से उसकी होंठ, उसकी जीभ तक चूस जाता था। एक दो बार तो मैंने उसका लंड भी चूस लिया था। अब यार जब वो ताबड़तोड़ मेरा लंड चूस कर मेरा माल गिराने वाला होता था, तो मुझे भी जोश आ जाता था, तो मैंने भी उसका लंड चूस लिया। मुट्ठ तो उसकी बहुत बार मारी है, जब भी उसकी गांड मारता तो उसको और मज़ा देने के लिए अपने एक हाथ से उसका लंड पेल देता, उसका भी पानी निकल जाता और मेरा माल तो वो हमेशा पी ही जाता था।

खैर मुद्दे पे आते हैं, हम दोनों ऊपर खिड़की में जा कर खड़े हो गए और नीचे देखने लगे, तभी पीछे वाले रूम से एक भरपूर गोरी चिट्ठी औरत निकल कर बाहर आई। खूबसूरत चेहरा, दूध जैसा गोरा रंग, गुलाबी होंठ, कजरारी आँखें, गुदाज़ जिस्म। मैं तो देख कर हैरान ही रह गया। इतना शानदार हुस्न मेरे पड़ोस में है और मैंने इतने दिनों से इसको आज तक नहीं देखा था।

वो नीचे कपड़े धो रही थी, और मैं उसको देख ऊपर उसके बेटे को रगड़ रहा था।

मैंने तौफीक से कहा- तौफीक, मुझे तेरी अम्मी को चोदना है, जैसे मर्जी कर, इस औरत को अपनी जगह ला कर लेटा, वरना अपनी कुट्टी।

वो बोला- अरे अंकल क्या बात करते हो, अपनी कुट्टी नहीं हो सकती।

मैंने कहा- तो अपनी अम्मी को मना लेगा तू?

वो बोला- कोशिश करके देखूंगा, वैसे अम्मी अब्बा से अक्सर कहती है कि उनके बिना उनका दिल नहीं लगता।

मैंने कहा- दिल नहीं बच्चे, उसका भी चुदवाने को दिल करता है, तभी दिल नहीं लगता, बस मुझे नहीं पता, तू कैसे करेगा, तू जाने, अब तो मुझे हर हाल में तेरी अम्मी की चूत चाहिए, वरना अपने लिए भी कोई और अंकल ढूँढ ले।

वो बोला- अरे नहीं अंकल, आप यारी मत तोड़ो यार, मैं देखता हूँ, कुछ करता हूँ।

फिर कुछ दिन उसने पता नहीं अम्मी से क्या बात की कि एक ट्यूशन पढ़ाते वक़्त वो खुद हमें चाय नाश्ता देने आई। पहली बार वो मेरे सामने आ कर बैठी। कितना खूबसूरत चेहरा, जिसे कभी भी किसी भी मेक अप की ज़रूरत नहीं थी। बेहद गोरा रंग, हल्का गुलाबीपन गालों पे, मोती भरी बाहें, दो बहुत भी भरपूर मम्मे, मैंने देखा के अपने मम्मों संभालना उसको भी मुश्किल लग रहा था। मेरे पास वो सिर्फ 2 मिनट बैठी, कुछ रस्मी सी बातें करके उठ कर चली गई, जाती हुई की मैंने जो हथनी जैसी भारी भरकम गांड देखी, मैंने तो अपना लंड पकड़ कर सहलाने लगा।

“हाय तौफीक, तेरी अम्मी मादरचोद, कुछ कर साले, इसको नहीं चोदा, तो जिंदगी झंडवा हो जाएगी रे, कुछ कर मेरी जान, कुछ कर!”

तौफीक बोला- चिंता मत करो, कुछ न कुछ तो मैं आपको ज़रूर करके दूंगा, आपने मुझे इतना मज़ा दिया है, मेरा भी तो फर्ज़ बनता है कि मैं आपके लिए कुछ करूँ!

उसके बाद पता नहीं तौफीक अपनी अम्मी से क्या कहता रहा, मगर अब अक्सर से वो रोज़ ही हमारे लिए चाय नाश्ता लेकर खुद आती, और फिर धीरे धीरे मैंने भी अपनी बातों का जाल फैलाया, और उसके लिए कभी कुछ कभी कुछ गिफ्ट लाने शुरू किए। बातें बढ़ती बढ़ती दोस्ती में बदल गई।

अब मेरा तो मकसद एकदम साफ था, तो मैं तो बहुत तेज़ चल रहा था, एक दिन मैंने उनको अपने पसंद की एक साड़ी लाकर देने की बात कही, थोड़े से इंकार के बाद वो मान गई। मैंने थोड़ा बेशर्मा हो कर पूछ लिया- अब जब साड़ी ही ला रहा हूँ, तो सर से पाँव तक सब कुछ ला देता हूँ।

वो मेरा मतलब समझ गई और हंस कर चली गई, मतलब उसको कोई ऐतराज नहीं था।

मैंने अगले दिन बाज़ार से एक बहुत अच्छी साड़ी खरीदी, और साथ में टेलर से उसका ब्लाउज़ भी सिलवा दिया, फिर दूसरी दुकान से जाकर उसके साइज़ के ब्रा और पेंटी भी

खरीदे। जब सब कुछ तैयार हो गया, तो एक डिब्बे में पैक करवा कर उसके घर ले गया और अब मैं ऊपर नहीं बल्कि सीधा सकीना बनो के रूम में गया।
 वो बेड पे बैठी टीवी देख रही थी, मुझे देख कर मुस्कुरा कर उठ खड़ी हुई, मैंने उन्हें अभिवादन करके उनको गिफ्ट दिया, जिसे उसने बड़ी खुशी से ले लिया।

उसके बाद मैंने तौफीक को ट्यूशन दी और अपने घर आ गया।

अगले दिन जब वो ट्यूशन के वक्त चाय लेकर आई, मैंने उनसे पूछा- गिफ्ट पसंद आया आपको ?

वो बोली- जी, बहुत हसीन है।

मैंने कहा- अजी हसीन तो आपके पहनने से हो गया। फिटिंग तो ठीक आई न ?

वो बोली- जी बहुत अच्छे से !

मैंने पूछा- सभी कपड़ों की ?

मेरा मतलब तो उसके ब्रा और पेंटी से था।

वो बोली- जी बिल्कुल, पर आपको इतनी जहमत करने की क्या ज़रूरत थी।

मैंने थोड़ा रोमांटिक होते हुये कहा- अजी इसमें जहमत कैसी, आपके लिए तो जान हाजिर है।

वो शर्मा कर हंस दी और बोली- आपकी पसंद की दाद देनी पड़ेगी और आपकी नज़रों की भी, हर चीज़ बिल्कुल जैसे मेरे लिए ही बनाई गई हो, इतनी फिट आई है।

मैंने कहा- हमें क्या पता, हमें तो पहन कर दिखाया नहीं आपने !

वो थोड़ी शरारत से बोली- वो भी दिखा देंगे।

मैंने कहा- तो अभी दिखा दीजिये !

वो उठ कर चली गई, तो तौफीक बोला- अम्मी कपड़े बदलते वक्त बाथरूम की कुंडी नहीं

लगाती है।

मेरे लिए तो ये सबसे बड़ी काम की बात थी, मैं भी उठ कर तभी नीचे चला गया, मगर मैं बाथरूम के अंदर नहीं गया। बाहर बेड पे साड़ी रखी थी, मतलब ब्रा पेंटी और ब्लाउज़ पेंटीकोट वो ले गई थी।

थोड़ी ही देर में वो बाथरूम से बाहर निकली।

“अरे यार !” मेरा तो मुंह खुल का खुला रह गया। कमर पे बांधा गहरे हरे रंग का पेंटीकोट, पेंटीकोट के ऊपर गौरा मांसल पेट और बीच में गहरी नाभि। पेट के ऊपर दो खूब बड़े खरबूजे जैसे गोल मम्मे।

अब ब्लाउज़ का गला गहरा बनवाया था मैंने तो उसका काफी बड़ा क्लीवेज भी दिख रहा था। मुझे देख कर वो एकदम से चौंक गई और अपने दोनों हाथ जोड़ कर अपने सीने के आगे कर लिए और ड्रेसिंग टेबल के स्टूल पर बैठ गई।

मैंने कहा- बहुत हसीन, इतना हुस्न तो मैंने आज तक नहीं देखा।

वो शर्मा गई- आप यहाँ !

मैंने कहा- मैं तो जी एक इल्लतजा लेकर आया था, आपके पास !

“कहिए” वो बोली।

मैंने कहा- अब क्या कहें, अब तो आप पहन चुकी !

“जी” वो चौंक कर बोली।

मैंने कहा- जी मैं तो ये कहने आया था कि अगर आपकी इजाज़त हो तो क्या मैं ये कपड़े आपको अपने हाथों से पहना सकता हूँ। क्योंकि अपनी सोच से मैं ये अंदाज़ा लगा चुका था, जिस औरत को आधे कपड़ों में मेरे सामने खड़े होने से गुरेज नहीं, वो और भी कुछ ज़रूर सोच रही होगी।

वो चुप रही तो मैंने कहा- क्या मैं आपके साड़ी बांध सकता हूँ ?

वो बोली- आपको बांधनी आती है ?

मैंने कहा- जी बहुत अच्छे से !

वो बोली तो कुछ नहीं पर उठ कर खड़ी हो गई ।

मैंने झट से साड़ी उठाई और उसके पास गया, मैंने साड़ी खोल कर उसका एक कोना अपने हाथ में पकड़ा और उसके बिल्कुल सामने खड़े हो कर पूछा- इजाज़त है ?

उसने हाँ में सर हिला दिया ।

मैंने उसकी कमर पर साड़ी लगाई और बांधनी शुरू की मगर मेरा हाथ उसकी कमर पर लगते ही उसने अपनी आँखें बंद कर ली । मैंने उसके साथ कोई बदतमीजी नहीं की, बड़े अदब से मैंने उसकी साड़ी बांधी और जब बंध गई तो उसके सर पे आँचल देकर मैंने उसे आँखें खोलने को कहा ।

उसने आँखें खोल कर सामने शीशे में देखा और देखती ही रह गई । वो शीशे में खुद को देख रही थी, मेरे लिए यही मौका था, आगे बढ़ कर अपनी हसरत पूरी करने का । मैंने हिम्मत की और उसको पीछे से अपनी आगोश में ले लिया ।

वो चुप थी, मैं भी चुप था, मगर दोनों के दिल बहुत ज़ोर ज़ोर से धडक रहे थे । मैंने उसको अपनी आगोश में लेकर उसके दोनों नर्म मुलायम हाथ अपने हाथों में पकड़ लिए तो उसने भी अपनी उंगलियाँ मेरी उंगलियों में फंसा दी, ये सीधा इशारा था, हमारे मोहब्बत के कबूल होने का ।

मैंने सबसे पहले उसके कान के पास एक हल्का सा चुंबन लिया- आई लव यू, सकीना !

मैंने उसके कान में कहा ।

वो मुस्कुरा दी, तो मैंने उसका मुंह अपनी तरफ घुमाया, फिर माथे पर, आँखों पर गाल पर नाक पर और फिर उसके होंटों पर भी चूमा । वो बिल्कुल शांत थी । मुझे उसके होंटों से जैसे रस टपकता सा लगा ।

मैंने उसका नीचे वाला होंठ ही अपने होंठों में ले लिया और खूब चूसा, उसकी गर्म सांस मेरी गाल पर टकरा रहे थे। मैंने अपना एक हाथ उसके हाथ से आज़ाद करवाया और उसके विशाल मम्मों पर रखा।

कितना बड़ा मम्मा था, कोई और छोर ही नहीं मिल रहा था, मगर फिर भी कितना नर्म, मखमली मम्मा। मैंने एक एक करके उसके दोनों मम्मों दबाये तो उसने भी मेरा ऊपर वाला होंठ अपने होंठों में पकड़ कर चूस लिया।

उसकी सांस और तेज़ हो गई थी।

मैंने उसे अपनी ओर घुमाया और कस उसको अपनी बाहों में जकड़ लिया, पति के प्यार की प्यासी सकीना ने भी मुझे अपनी मजबूत आगोश में ले लिया और खुद भी ऊपर को मुंह उठा कर मेरे होंठ चूस लिए।

मैंने भी ताबड़तोड़ उसके सारे चेहरे को चूम डाला, जहां भी चूमा वहीं पे एक लाल निशान पड़ जाता। उसके मोटे मोटे गाल अपने होंठों में लेकर चूस डाले, गोरे गाल सुर्ख हो गए।

मैंने नीचे को देखा, ब्लाउज़ के बड़े से गले उसका बड़ा सारा क्लीवेज दिख रहा था।

मैंने उसकी गर्दन को चूमा और गर्दन को चूमता हुआ नीचे उसके मम्मों की तरफ बढ़ा और फिर उसके विशाल गोरे मम्मों को भी पहले चूमा फिर अपने होंठों में लेकर चूसा और उसके गुलाबी मम्मों पर भी लाल लाल निशान बनाने लगा।

मेरे सर को पकड़ कर सकीना ने अपने सीने से लगा लिया, मगर मैंने अपने होंठ उसके क्लीवेज पर रखे और अपनी जीभ निकाल कर उसके क्लीवेज के बीच घुमाते हुये चाटने लगा।

“आह, बस करो चंदर बाबू, मार डालोगे क्या !”

मैंने कहा- इतना पागल नहीं, जो इतनी हसीन औरत को मार दूँ, हाँ तुम्हारी ज़रूर मरूँगा, पर तुम्हें नहीं।

वो हंस पड़ी- तो देर किस बात की ?
वो बोली ।

मैं तो उसे खींच कर बेड पर ले गया और उसे बेड पे पटक दिया और एक एक करके उसके कपड़े उतारने लगा । पहले ब्लाउज़ के बटन खोले, ब्लाउज़ उतार दिया, फिर ब्रा उतारी, उसके बाद पेटीकोट का नाड़ा खोला और पेटीकोट और चड्डी दोनों उतार दिये, बिल्कुल नंगी कर दिया उसे और बेड के ऊपर खड़े हो कर, मैं अपने कपड़े उतारने लगा ।

एक एक करके मैंने अपने सारे कपड़े उतार दिये और बिल्कुल नंगा हो गया । वो भी मेरे 7 इंच के कड़क लंड को देख रही थी, और मैं उसकी भरपूर देह को जो काले रंग की चादर पर लेटी ऐसे लग रही थी, जैसे कोई दूध की नदी उफान पर बह रही हो । सर पाँव तक गोरी, हर अंग को जैसे गुलाब से रंगा हो ।

बिल्कुल साफ शेव की हुई चूत, बगलों में पूरी सफाई, खुद को बहुत सजा संवार कर रखा हुआ था ।

मैंने उसके खूबसूरत जिस्म को देख कर कहा- सच में सकीना, तुमसे सुंदर औरत मैंने आज तक नहीं देखी, जितनी तुम खूबसूरत हो उतना ही तुम अपनी सफाई का भी ख्याल रखती हो ।

वो बोली- मेरे शौहर को मेरे जिस्म पर एक फालतू बाल पसंद नहीं, इसी लिए मैं हमेशा खुद को एकदम साफ करके रखती हूँ ।

“और मुझे भी यही चीज़ पसंद है !” कह कर मैं उसके ऊपर लेट गया, मेरा लंड उसकी नाभि से लगा हुआ था, दिल तो कर रहा था कि उसकी नाभि में ही अपना लंड घुसा दूँ ।

उसने अपनी टाँगें खोली और मैंने अपनी कमर उसकी जांघों के बीच में सेट की, अब मेरे लंड का टोपा उसकी चूत के ऊपर टिका था । मैंने अपने लंड के टोपे से ही उसकी चूत का दाना मसला । अब लंड से चूत मसली तो उसको भी मस्ती चढ़ी, उसने मेरा चेहरा अपने

हाथों में पकड़ा और बोली- अब और न तरसाओ, बस आ जाओ।

मतलब वो मेरा लंड अपनी चूत में चाहती थी।

मैंने कहा- पहले थोड़ा और तो चूस लूँ तुम्हें, यहाँ वहाँ बहुत कुछ है, जहाँ तुम्हारे बदन से रस टपक रहा है, वो तो पी लूँ!

वो बोली- अभी और बहुत से मौके मिलेंगे, जितना चाहे रस पी लेना, पर अभी मेरी आपसे गुजारिश है कि पहले आ जाएँ।

मैं थोड़ा सा ऊपर को उठा तो उसने खुद अपने हाथ से मेरा लंड पकड़ कर अपनी चूत पर रख लिया। गीली गुलाबी चूत में बड़े आराम से मेरा लंड घुस गया। जैसे किसी ने नर्म मखमल से मेरे लंड को लपेट दिया हो।

मैंने धीरे धीरे से उसके मम्मों दबाते हुये उसके होंठ चूसते हुये उसकी चुदाई शुरू की। थोड़ी देर बाद उसने अपने दोनों हाथों में अपने पाँव के अंगूठे पकड़ लिए और अपनी टाँगें पूरी तरह से खोल दी और बोली- अब आराम का वक्त गया चंद्र बाबू, गाड़ी की रफ्तार बढ़ो, पेलो, जितनी तेज़ पेल सकते हो।

मैंने भी अपनी रफ्तार तेज़ कर दी। घपाघप जब लंड पेला तो उसकी चूत तो पानी के फव्वारे छोड़े, और साथ में वो भी सिसकारियाँ आहें भरने लगी, और वो भी आराम से नहीं पूरी आवाज़ में!

जैसे सारे मोहल्ले को सुनाना चाहती हो, बताना चाहती हो कि देखो लोगो... मैं चुद रही हूँ।

खूब शोर मचाया उसने 'उम्मह... अहह... हय... याह... हाय...' के अलावा 'हाय मर गई, हाये अल्लाह, बचा लो, हाय मैं मर गई!' तो बहुत बार बोली।

खूब तड़पी, खूब उछली, मगर उसने अपने हाथों से अपने पाँव के अंगूठे नहीं छोड़े। पूरी खुली चूत होने से लंड भी ताबड़तोड़ अंदर बाहर आ जा रहा था। कितनी देर मैंने उसे सीधे

लेटा कर चोदा। फिर उसे घोड़ी बनाया, फिर ज़बरदस्त चोदा, तीन चार बार आसन बदल बदल कर मैंने उसे चोदा।

बहुत ही गर्म औरत थी, वो 20 मिनट की चुदाई में वो शायद 7 या 8 बार झड़ी। उसको ज़ोर से चोदने में मेरे पसीने निकल गए।

इतने में तौफ़ीक अंदर आया, मगर जब उसने देखा कि मैंने उसकी अम्मी को घोड़ी बना रखा है तो वो मुस्कुरा कर वापिस चला गया।

फिर मेरी मेहनत रंग लाई और मैंने भी अपने वीर्य की धारें मार मार कर उसकी चूत को भर दिया। बहुत खुश हुई वो मेरा माल गिरने पर!

माल के गिरते ही मैं भी गिर गया। कितनी देर सांस में सांस न मिली।

जब कुछ संभला तो वो मेरे लिए पिस्ता बादाम वाला गर्म दूध बना कर लाई, मुझे देकर बोली- लो पियो इसे, और थोड़ी और ताकत बढ़ाओ।

मैंने कहा- क्यों इतना कम था क्या ?

वो बोली- नहीं बहुत है, मगर जैसे यह एक राउंड था, मुझे तो ऐसे बहुत से राउंड चाहियें।

मैंने कहा- चिंता मत करो, जानेमन, सारी रात इसी तरह पेल सकता हूँ मैं।

वो बोली- तो ठीक है, अब हम फिर किसी रात को ही मिलेंगे, और उस दिन मैं अपनी सुहागरात तुम्हारे साथ मनाऊँगी।

मैं भी खुश हो गया।

उसके बाद मैं वापिस अपने घर आ गया क्योंकि ट्यूशन का टाइम खत्म हो चुका था।

आज 2 महीने हो गए, अब तो बीवी भी बोलने लगी है कि मैं उसकी तरफ ध्यान नहीं देता, मगर क्या करूँ, अब तो जब ट्यूशन पढ़ाने जाता हूँ, कभी माँ खींच लेती है, कभी बेटा। उन दोनों की भरपूर चुदाई करने के बाद, अब बीवी के लिए प्यार बचता ही कहाँ है।

मेरी यह एडल्ट स्टोरी आपको कैसी लगी ?

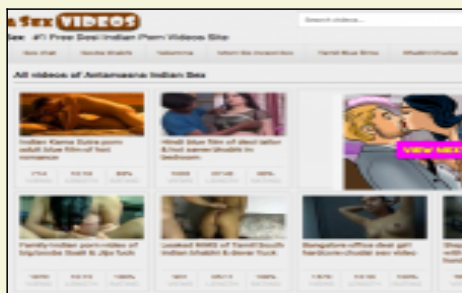
thakurchora05@gmail.com





Other sites in IPE

Antarvasna Sex Videos



URL: www.antarvasnasexvideos.com
Average traffic per day: 40 000 GA sessions
Site language: English
Site type: Video
Target country: India First free Desi Indian porn videos site.

Indian Sex Stories



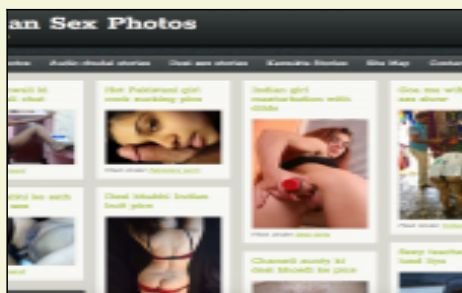
URL: www.indiansexstories.net
Average traffic per day: 446 000 GA sessions
Site language: English and Desi
Site type: Story
Target country: India The biggest Indian sex story site with more than 40 000 user submitted sex stories.

Antarvasna



URL: www.antarvasnasexstories.com
Average traffic per day: 480 000 GA sessions
Site language: Hindi
Site type: Story
Target country: India Best and the most popular site for Hindi sex stories about Desi Indian sex.

Antarvasna Indian Sex Photos



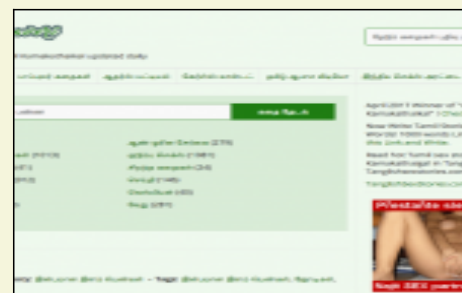
URL: antarvasnaphotos.com
Average traffic per day: 42 000 GA sessions
Site language: Hinglish
Site type: Photo
Target country: India Free Indian sex photos, sexy bhabhi, horny aunty, nude girls in hot Antarvasna sex pics.

Kama Kathalu



URL: www.kamakathalu.com
Average traffic per day: 27 000 GA sessions
Site language: Telugu
Site type: Story
Target country: India Daily updated Telugu sex stories.

Tamil Kamaveri



URL: www.tamilkamaveri.com
Average traffic per day: 113 000 GA sessions
Site language: Tamil
Site type: Story
Target country: India Daily updating at least 5 hot sex stories in Tamil language.